राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड

प्रेस विज्ञप्ति

समाज मे नैतिक मूल्य स्थापित करने में प्रजापिता ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहुत बड़ी भूमिका हैः– राज्यपाल

राजभवन देहरादून दिनांक 25 जून, 2011 उत्तराखण्ड की राज्यपाल श्रीमती मार्ग्रेट आल्वा ने कहा कि विश्व में आध्यात्मिक एवं नैतिक मूल्यों की स्थापना करते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रजापित ब्रहमकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

राज्यपाल ने आज देहरादून में आयोजित ब्रहमकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के 75वें अमृत महोत्सव कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में अपने सम्बोधन में कहा कि सम्पूर्ण विश्व में विभिन्न क्षेत्रों के विकास के नाम पर बड़ी उपलब्धियों की बात की जाती है किन्तु संतुष्टि का भाव कहीं नहीं दिखाई देता। धर्म, जाति, भाषा तथा क्षेत्र के नाम पर एक दूसरे पर होते प्रहारों ने शांति का शमन किया है। जबकि मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए आज शांति की सबसे ज्यादा जरूरत है।

राज्यपाल ने ब्रहमकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा विगत 75वर्षों से समाज में जीवन मूल्यों के संवर्धन तथा चरित्र निर्माण के लिए किये जा रहे प्रयासों की भरपूर सराहना करते हुए कहा कि विश्व के 137 देशों में स्थापित नौ हजार से अधिक केन्द्रों के माध्यम से लोगों में आत्मशक्ति व शांति बढ़ाने का जो प्रयास यह संस्था कर रही है वह अनुकरणीय है।

प्रजापिता ब्रहमा द्वारा 75 वर्ष पूर्व स्थापित इस संस्था को महिलाओं के माध्यम से संचालित किये जाने के सफल प्रयास से अभिभूत राज्यपाल ने कहा कि संस्था के उद्देश्यों को सफल करने के लिए समर्पित महिलाओं ने प्रमाणित कर दिया है कि विश्व में शांति स्थापित करने में भी महिलायें ही अग्रणी हैं और **''नारी अबला नहीं सबला है।''**

राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि संस्था द्वारा शांति के साथ सुख लाने के प्रयास समाज में सुखदः परिवर्तन लायेंगे। राज्यपाल ने शिक्षा के नाम पर बच्चों की प्रतिभा व रूचि के विपरीत अभिभावकों द्वारा थोपी जा रही अपेक्षाओं पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि हमें बच्चों में उसकी नैसर्गिक प्रतिभा उभारने के साथ–साथ उन्हें मूल्यवर्धित शिक्षा का पाठ पढ़ाना होगा।

सम्बोधन से पूर्व राज्यपाल ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। समारोह को संस्था की धार्मिक प्रकोष्ठ की अध्यक्षा राजयोगिनी बहन प्रेमलता ने अत्यन्त सहज किन्तु प्रभावशाली तथा ओजस्वी सम्बोधन द्वारा जीवन में शांति लाने के उपाय बताते हुए श्रेष्ठ संगत अपनाने तथा नकारात्मक दृष्टिकोण त्यागने के लिए सभी को प्रेरित किया।

अत्यन्त अनुशासित इस कार्यक्रम में संस्था के समाजसेवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री वी.के.अमीरचन्द्र (चण्डीगढ़) ने स्वागत भाषण पढ़ा।

समाज में चरित्र निर्माण व नैतिक मूल्यों के प्रसार के लिए समर्पित संस्था के इस कार्यक्रम में राजयोग शिक्षिका बहिन बी.के.मंजू द्वारा 10 मिनट का मेडिटेशन कराने के साथ ही मंच संचालन भी किया गया। डा0 लीला रावत द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

राजयोगिनी बहिन प्रेमलता ने राज्यपाल को ईश्वरीय उपहार के रूप में स्मृति चिन्ह भेंट किया।

इस अवसर पर भारी संख्या में संस्था से जुड़े सदस्य, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार डा0 देवेन्द्र भसीन, राज्यपाल के परिसहाय वी.के.कृष्णकुमार तथा अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

————0————

सूचना अधिकारी श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड मो0–9456590619 टेली फैक्स 0135–2756172